हरेली में पारंपरिक खेल में महिलाओं... पृष्ठ 2
ईडी ने की दुर्ग क्षेत्र के बालोद... पृष्ठ 3

नांदगांव टाइम्स

शनिवार, 26 जुलाई 2025, राजनांदगांव | आरएनआई 30910/76 | वर्ष 49, अंक 275, पृष्ठ 04, मूल्य 3 रुपए

।। जय श्री जलाराम।।
श्री जलाराम प्रॉपर्टी डीलर
उचित दर पर मकान, फ्लैट, डुप्लेक्स, दुकान, ऑफिस, गोदाम, जमीन, प्लाट की खरीदी-बिक्री हेतु संपर्क करें।
नोट :- मकान, फ्लैट, दुकान, गोदाम किराये पर लेने एवं देने की विशेष व्यवस्था साथ ही जमीन प्लाट हेतु डायवर्शन के दस्तावेज व ऋण पुस्तिका बनवाने के कार्य की सुविधा।
ऑफिस- बागड़ी ब्रदर्स के बाजू में, रामाधीन मार्ग, राजनांदगांव।
मो: 98274-61508, 83192-88559

स्वच्छता हम सभी की है जिम्मेदारी - मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि देश को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने में हमारी स्वच्छता दीदियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है, जिन्होंने निष्ठा, परिश्रम और सेवा-भावना के साथ समाज को नई दिशा दी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने आज जशपुर जिले के ग्राम बगिया में आयोजित सम्मान समारोह में स्वच्छता दीदियों को साड़ी, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जशपुर एक प्राकृतिक रूप से समृद्ध और सुंदर जिला है, लेकिन पहले जब वे गांवों का दौरा करते थे, तो सड़कों के किनारे फैला कचरा गांवों और नगरों की सुंदरता को धूमिल कर देता था। इस स्थिति को बदलने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत कर इसे राष्ट्रीय जनआंदोलन में परिवर्तित किया। उन्होंने स्वयं झाड़ू उठाकर लोगों को प्रेरित किया और गांव-गांव, शहर-शहर स्वच्छता की अलख जगाई। उन्होंने हर नागरिक को स्वच्छ और सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार दिलाने का प्रयास किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान में हमारी स्वच्छता दीदियों की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। उनके अथक परिश्रम और समर्पण का ही परिणाम है कि आज जशपुर जिले ने स्वच्छता के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। वे वास्तव में सम्मान की पात्र हैं, क्योंकि उन्होंने हमें स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण प्रदान करने में अमूल्य योगदान दिया है। मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपने घर, मोहल्ले, चौराहे, मंदिर और सार्वजनिक स्थलों की सफाई को अपना कर्तव्य मानें और स्वच्छता को अपनी आदत में शामिल करें। उल्लेखनीय है कि आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा शहरी स्वच्छता सुधारों के मूल्यांकन और प्रोत्साहन हेतु स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में स्वच्छ भारत मिशन-शहरी (स्क्रू-) के अंतर्गत 4,589 शहरों को शामिल किया गया था। इस राष्ट्रीय सर्वेक्षण में जशपुर जिले के नगरीय निकायों ने अभूतपूर्व प्रदर्शन कर देश भर में अपना परचम लहराया है।इसमें जशपुरनगर ने 20,000 से 50,000 की जनसंख्या वर्ग में पूरे देश में 10वां स्थान प्राप्त किया है, जो कि 2023 की 505वीं रैंकिंग से एक लंबी छलांग है। इसी वर्ग में नगर पंचायत कुनकुरी ने 13वां रैंक, नगर पंचायत पत्थलगांव ने 30वां रैंक, नगर पंचायत बगीचा ने 51वां रैंक, और नगर पंचायत कोतबा ने 64वां रैंक हासिल किया है। यह असाधारण उपलब्धि स्वच्छता दीदियों के परिश्रम और प्रशासनिक टीम के समन्वित प्रयास का प्रतिफल है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में जिले को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए नगरीय निकायों द्वारा योजनाबद्ध रूप से कई कार्य किए जा रहे हैं, जिनमें बी.टी. रोड निर्माण, रोड मार्किंग, सामुदायिक शौचालयों का उन्नयन, चौक-चौराहों का सौंदर्यीकरण, वॉल पेंटिंग, वेस्ट मैटेरियल से पार्कों का निर्माण, कम्पोस्टिंग शेड और रिसाइक्लिंग सेंटर की स्थापना, फुटपाथों पर पेवर ब्लॉक लगाना, साइनेज आदि प्रमुख हैं। लेकिन इन प्रयासों की आत्मा बनी हैं वे स्वच्छता दीदियाँ, जो हर गली, मोहल्ले में जाकर डोर टू डोर कचरा संग्रहण जैसे श्रमसाध्य कार्यों को अंजाम देती हैं। इस अवसर पर जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने सभी स्वच्छता दीदियों, नगरीय निकायों के अधिकारियों और नागरिकों को इस उपलब्धि पर बधाई दी। सरगुजा विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं पत्थलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय ने कहा कि स्वच्छता दीदियाँ वह कार्य कर रही हैं जो पहले समाज में उपेक्षित था। उन्होंने कहा कि कभी स्वच्छता के प्रति लोगों में चेतना नहीं थी, लेकिन स्वच्छ भारत अभियान के तहत दीदियों ने लोगों को न केवल जागरूक किया, बल्कि व्यवहार परिवर्तन भी सुनिश्चित किया।

उप राष्ट्रपति के रिक्त पद के लिए छत्तीसगढ़ को प्राथमिकता देने मांग की दीपक बैज ने

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने देश में उप राष्ट्रपति पद के लिए प्रत्याशी चयन में छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ भाजपा नेताओं को वरियता देने की मांग प्रधानमंत्री से की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे एक पत्र में दीपक बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ में संसदीय परंपरा के जानकार कई वरिष्ठ नेता है, जिनमें डॉ. रमन सिंह विधानसभा अध्यक्ष, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस तथा ननकी राम कंवर को प्रत्याशी बनाया जाए। देश के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपना कार्यकाल होने से पहले इस्तीफा दे दिया है। जिसके कारण भाजपा में सियासत तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी अपनी सहयोगी दलों को भी प्रत्याशी चयन कर चर्चा कर रही है। दीपक बैज ने पत्र में लिखा कि छत्तीसगढ़ का राज्यसभा में पर्याप्त प्रतिनिधित्व है, इसलिए छत्तीसगढ़ से किसी वरिष्ठ भाजपा नेता को उप राष्ट्रपति के प्रत्याशी बनाया जाए। उन्होंने सुझाव भी दिया कि इसके लिए रमन सिंह और रमेश बैस उपयुक्त उम्मीद्वार हो सकते हैं।

चुनावी अंक गणित - सीईओ कार्यालय रायपुर से मिली जानकारी के अनुसार उपराष्ट्रपति पद के लिए निर्वाचन आयोग की तैयारियां शुरू हो गई है। लोकसभा और राज्यसभा में 786 सदस्य उपराष्ट्रपति का चुनाव करेंगे, जीत के लिए 394 सीट जरूरी है। विधानसभा सचिवालय से मिली जानकारी के अनुसार इस चुनाव में विधायकों की कोई भूमिका नहीं होती है, सिर्फ राज्यसभा और लोकसभा के सदस्य ही इसका निर्वाचन करते हैं। भारत निर्वाचन आयोग ने चुनाव आयोग द्वारा शीघ्र ही नोटिफिकेशन जारी कर किया जाएगा। इसके पश्चात चुनाव की तिथि घोषित कर दी जाएगी। यदि विपक्ष कोई प्रत्याशी खड़ा नहीं करता तो भाजपा समर्थित प्रत्याशी निर्विरोध चुना जाएगा।

प्रत्याशियों को लेकर अटकले शुरू - प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज द्वारा छत्तीसगढ़ को वरियता देने के पश्चात यहां पर चर्चा का नया दौर शुरू हो गया है। उप राष्ट्रपति पद के लिए मंथन शुरू हो गया है। बिहार और पश्चिम बंगाल चुनाव को ध्यान में रखते हुए यहां से किसी दमदार नेता को प्रत्याशी बनाया जा सकता है। देश के प्रधानमंत्री इस समय बाहर गए हुए हैं। भाजपा ऐसे प्रत्याशी को खोजने की कवायदकर रही है, जो विपक्षियों को बैकफुट में डाल दें। वर्तमान में उपाध्यक्ष हरबंश बिहार से तालुकात रखते है, बिहार से जिन लोगों की नाम की चर्चा है, उसमें नितिश कुमार भी है। फिलहाल छत्तीसगढ़ में इस बात की चर्चा है कि छत्तीसगढ़ से किसी को प्रत्याशी बनाया जाएगा, उसको लेकर सत्ता गलियारों और अंदरूनी तहखानों में तरह-तरह का चर्चा व्याप्त है।

रेल कोच रेस्टोरेंट का विस्तार

बालाघाट एवं राजनांदगाँव स्टेशन परिसर में रेल कोच रेस्टोरेंट संचालन का सुनहरा अवसर

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाईम्स)। रेलवे ने देश के अलग-अलग स्टेशनों पर रेल कोच रेस्टोरेंट शुरुवात की है। कई स्टेशनों पर यात्रियों को विश्व स्तरीय सुविधाओं का अहसास कराने के लिए रेल कोच रेस्टोरेंट खोले जा रहे हैं, जिसकी जिम्मेदारी टेंडर निकालकर प्राइवेट एजेंसियों को दी जा रही है। यह अभिनव पहल यात्रियों को पारंपरिक खानपान व्यवस्था से अलग एक नया एवं आधुनिक अनुभव प्रदान कर रही है। इसी क्रम में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल द्वारा गोंदिया, छिंदवाडा तथा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस इतवारी रेलवे स्टेशनों के बाद अब बालाघाट तथा राजनांदगाँव स्टेशन परिसर में रेल कोच रेस्टोरेंट संचालन हेतु ठेका देने के लिए निविदा जारी कर दी है ताकि इन स्टेशनों में रेल कोच रेस्टोरेंट का लाभ न केवल रेल यात्रियों बल्कि आस-पास के आम लोगों को भी 24 घंटे मिल सकें। जो भी व्यापारी अथवा व्यक्ति जो इस कार्य में रुचि रखते हैं वे इस ई-निविदा (ढ्ढक्रश्वक्क स् की वेबसाइट ढ्ढह्लह्लश्चह्य://222.ढ्ढह्म्द्गश्चह्य.द्दश1.द्ब ठ्ठ) में भाग ले सकते है। ई-नीलामी/ठेका की प्रक्रिया बालाघाट स्टेशन हेतु दिनांक 04 अगस्त 25 को सुबह 11.00 बजे से एवं राजनांदगाँव स्टेशन हेतु दिनांक 09 अगस्त 25 को सुबह 11.00 बजे से की जाएगी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल के वाणिज्य विभाग से किसी भी कार्य दिवस में उपस्थित होकर विस्तृत जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक दिलीप सिंह ने बताया कि बालाघाट तथा राजनांदगाँव स्टेशनों पर रेल कोच रेस्टोरेंट के संचालन हेतु सफल बोली दाता को रेलवे की तरफसे रेल कोच रेस्टोरेंट के लिए अप्रयुक्त कोच दिया जायेगा और उनके द्वारा कोच को आकर्षक स्वरूप देना होगा है। इसके लिए रेल परिसर का स्थान चिन्हित किया गया है। रेलवे स्टेशनों पर खानपान हेतु कैटरिंग स्टाल के अलावा इन स्टेशनों में भी यह सुविधा रेल कोच के माध्यम से उपलब्ध कराया जाने से रेल यात्रियों के अलावा आम जनता को भी रेल कोच रेस्टोरेंट में स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ-साथ सुसज्जित कोच का आनंद उठा सकेगें । भारतीय रेल यात्रियों को हर स्तर पर उत्कृष्ट सेवाएं देने के लिए सतत प्रयासरत है। रेल कोच रेस्टोरेंट्स की यह श्रृंखला उसी दिशा में एक अभिनव एवं उपयोगी कदम है, जो यात्री सुविधाओं को नई ऊंचाई प्रदान करेगा।

आबकारी विभाग की कार्रवाई

18 बल्क लीटर महाराष्ट्र निर्मित देशी दारू संत्री जप्त

राजनांदगांव (नांदगांव टाईम्स)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे के निर्देशानुसार जिले में अवैध शराब विक्रेताओं, परिवहनकर्ताओं, सार्वजनिक स्थल पर मद्यपान करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। प्रभारी सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी ने बताया कि अवैध शराब विक्रेताओं के विरूद्ध धर-पकड़ अभियान के तहत आबकारी विभाग द्वारा थाना गेंदाटोला के ग्राम बड़े मासूल में बिरेन्द्र जगने के कब्जे से देशी दारू संत्री महाराष्ट्र निर्मित 100 पाव मात्रा 18 बल्क लीटर जप्त किया गया। आबकारी अधिनियम की धारा के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की गई। कार्रवाई में आबकारी उप निरीक्षक वृत्त चिचोला श्री राजकुमार कुर्रे, आबकारी मुख्य आरक्षक श्री निजाम शाह, श्री अनिल सिन्हा, श्री भोजनारायण उइके शामिल थे। उन्होंने बताया कि अवैध मदिरा विक्रय की रोकथाम हेतु होटल ढाबों एवं मदिरा दुकानों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। साथ ही सभी वृत्त प्रभारियों को होटल-ढाबों की नियमित जांच और अवैध मदिरा विक्रय के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिये गये है।

मांगे पूरी नहीं हुई तो भाजपा के कार्यकर्ताओं का घेराव कर उग्र आंदोलन की चेतावनी.

अंशकालीन स्कूल कर्मचारी संघ ने सौंपा ज्ञापन

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाईम्स)। अपनी पूर्णकालीन मांगो को लेकर अंश कालीन स्कूल सफाई कर्मचारी संघ ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते बताया गया कि विगत अंशकालीन स्कूल सफाई कर्मचारी विगत 30 जून 2025 से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं और हड़ताल के माध्यम से 16 जुलाई को 2025 को नया रायपुर तूता धरना स्थल पर प्रदर्शन किया जिसके बाद शिक्षा सचिव द्वारा प्रान्तीय अध्यक्ष और पदाधिकारियों द्वारा बैठक ली गई जिसमें जायज मांगो का सार्थक समाधान नहीं कर पाए जिसके कारण हड़ताल जारी रहेगा। वही राज्य की भाजपा पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में 100 दिन अंदर पुर्ण कालीन करने की घोषणा की थी जो आज तक पूरी नहीं है जिससे राज्य के कर्मचारी अपने को ठगा महसूस कर रहे है। विगत 15 वर्षो में स्कूल की साफ सफाई की व्यवस्था कर रहे हैं और हमें अल्प मानदेय वर्तमान में 3400/- रू दिया जा रहा है जो कि मंहगाई के इस दौर में परिवार का गुजारा करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है वहीं हम लोग प्रतिदिन दो घंटे कार्य के लिए नियमित है पर हमें सुबह शाम कार्य करवाया जा रहा हैं जिसमें सुबह स्कूल साफसफाई और ताला खोलना और शाम को ताला बंद करने इसके कारण से सफाई कर्मचारी और कोई दुसरा अन्य कार्य नहीं कर पाते। अगर आने वाले दिनों में हमारी मांगे पूरी नहीं की जाती है तो कर्मचारी हड़ताल के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं का घेराव कर उग्र आंदोलन को मजबूर हो जायेगी जिसकी जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी.

श्री चंद्रमौलेश्वर स्वरूप में निकलेगी भव्य पालकी यात्रा खैरागढ़ में आज

राजनांदगांव (नांदगांव टाईम्स)। संगीत नगरी खैरागढ़ में आज शनिवार 26 जुलाई को दोपहर 1 बजे से राजाधिराज महाकाल महाराज की भव्य पालकी यात्रा निकाली जाएगी। यह आयोजन महाकाल सेना और श्री राम गौसेवा समिति द्वारा पंचम वर्ष के उपलक्ष्य में किया जा रहा है। पालकी यात्रा श्री राम गौसेवा केंद्र, किल्ला पारा से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों में शीतला मंदिर, तुरकारीपारा, जय स्तंभ चौक, गोल बाजार, ठाकुरपारा आदि से होते हुए मां दंतेश्वरी मंदिर में समापन होगा, जहां महाआरती व प्रसादी वितरण किया जाएगा। समिति ने समस्त श्रद्धालुजनों एवं शिव भक्तों से परिवार सहित बड़ी संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने एवं आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

केसरिया धवज संकीर्तन के साथ निकलेगी श्री राम हनुमान शिव कांवड़ यात्रा

गंगा, सरयू नदी के जल से होगा भगवान शिव को जलापर्ण

राजनांदगांव (नांदगांव टाईम्स)। संस्कारधानी में पवित्र सावन माह का आधा माह व 2 सोमवार निकल चुके है। जिसमें श्री बागेश्वर धाम मंदिर मे प्रथम सोमवार हरित कांवड़ यात्रा, ब्रम्हाण्ड संरक्षण,वृक्षारोपण हेतु तथा द्वितीय सोमवार सिंदूर तिंरगा कांवड़ यात्रा (राष्ट्र को समर्पित) पूर्ण भक्तिभाव,विश्व कल्याण, राष्ट्र प्रेम की भावना से शिवभक्तों द्वारा निकाली जा चुकी है। 28 जुलाई को तीसरा सावन सोमवार हैं जिसमें संस्कारधानी में प्रथम बार सनातन धर्म देवो श्रीराम हनुमान शिव कांवड़ यात्रा शिवभक्तों द्वारा निकाली जायेगी । उक्त विषय पर जानकारी देते हुए बागेश्वर धाम सेवको पंकज गुप्ता सूरज गुप्ता विजय गुप्ता राकेश ठाकुर भावेश अग्रवाल,मंयक शर्मा,सौरभ खंडेलवाल ,राजेश शर्मा ने बताया कि केसरिया ध्वजों के साथ यह देव काँवड़ यात्रा निकाली जावेगी जिसमें कांवड़ यात्री पवित्र गंगा नदी सरयू नदी शिवनाथ नदी के जल कांवड़ में लिए रहेगें जो कि भगवान बागेश्वर महादेव को कांवड़ यात्री जल अर्पित करेगे।कांवड़ यात्रा मे कांवड़ के साथ केसरिया ध्वज भी कावड़ यात्री लिए रहेंगे । यात्रा में भगवान श्रीराम हनुमान शिवजी का संकीर्तन शिवभक्तो द्वारा भक्ति भाव से किया जावेगा। पिछली झंकियों जैसी ही कांवड़ यात्रा के साथ विषयअनुरूप भोलेबाबा, श्रीराम हनुमान की आर्कषक झांकी रहेगी । कांवड़ यात्रा जो कि प्रथम बार उक्त त्रिदेवो के साथ सनातन हिंदू धर्म की प्राचीन परंपराओं का संदेश देते हुए निकाली जावेगी जिस हेतु समस्त हिंदू संगठनो,मंदिरो, धार्मिक संस्थाओ से यात्रा में जुडक़र देव कांवड़ यात्रा को भव्य बनाने का आग्रह आयोजन समिति द्वारा किया जा रहा हैं आयोजन समिति द्वारा हिंदू संस्कार ,सनातन धर्म प्रेरणा का दीप की अलख सभी के हदय मे जगाने व बच्चो को देव प्रभु श्रीराम हनुमान शिव जी का स्वरूप रखकर बच्चों के साथ कांवड़ यात्रा में शामिल होने का आग्रह नगर के धर्मप्रेमियों से यात्रा में अविस्मरणीय यादगार संदेश देने हेतु सुरज गुप्ता 9303333108प्रज्ञा गुप्ता 8982399717 सौरभ खंडेलवाल9039790805, सौरभ गुप्ता 7725019408 से संर्पक कर अपने बच्चो का नाम दर्ज करवाकर उन्हे श्रीराम शिव या हनुमान का स्वरूप में यात्रा में शामिल करने का निवेदन किया है । सभी बच्चों वाहन मे रहेंगे, बच्चों को उनकी फोटो व आर्कषक पुरस्कार प्रदान किया जावेगा। श्री बागेश्वर धर्मार्थ ट्रस्ट संलग्न सस्थाओं ने श्रीराम हनुमान शिव कांवड़ यात्रा में सभी धर्मप्रेमी संस्कारधानी वासियों से शामिल होकर धर्मलाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है उक्त जानकारी श्री बागेश्वर धाम मंदिर सेंवक अजय गुप्ता विकास गुप्ता राज गुप्ता द्वारा दी गई ।

43 विद्यार्थियों ने रेशम कीट पालन यूनिट में शैक्षणिक भ्रमण किया

राजनांदगांव (नांदगांव टाईम्स)। 25जुलाई 2025 को पंडित शिव कुमार शास्त्री कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, सुरगी, राजनांदगांव के तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने डॉ. विनम्रता जैन, अधिष्ठाता के मार्गदर्शन में ग्राम बघेरा (राजनांदगांव) में स्थित रेशम कीट पालन यूनिट में शैक्षणिक भ्रमण किया।

इस भ्रमण कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण डॉ. नितिन कुमार तुर्रे एवं डॉ. मनोज कुमार चंद्राकर सहित 43 विद्यार्थियों ने भ्रमण कर तकनीकी ज्ञान प्राप्त किए। इस भ्रमण के दौरान रेशम कीट पालन केंद्र, बघेरा के प्रभारी श्री संजीव कुमार एवं श्री हरीश देशमुख ने विद्यार्थियों को रेशम कीट पालन अंतर्गत अंडा उत्पादन, कोकून निर्माण, रेशम कीटों की विभिन्न अवस्थाओं, पालन तकनीक, कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में विस्तार से बताया साथ ही रोजगार के अवसरों पर जानकारी दी।

हरेली में पारंपरिक खेल में महिलाओं व युवाओं ने दिखाए जौहर

डोंगरगांव (नांदगांव टाईम्स)। छत्तीसगढ़ के प्रथम लोकपर्व हरेली के अवसर पर पारंपरिक खेलकूद का आयोजन मटिया वार्ड 14 में मंदिर परिसर में आयोजित पारंपरिक खेलकूद में खिलाड़ियों को महिला, पुरुष, बालक व बालिका वर्ग चार हिस्से में भाग लिया कार्यक्रम में सभी प्रतिभागी अपने अपने खेलो का प्रदर्शन किया गया, स्पर्धा में प्रथम से अंतिम तक सभी को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया , मंदिर संचालन समिति एवं ग्राम विकास समिति के संयुक्त आयोजन में पारंपरिक खेल कुर्सी दौड़, नारियल फेंक, मटका फोड़, रस्सा खींच, आलू दौड़ व कबड्डी स्पर्धा आयोजित हुई। कबड्डी बालक वर्ग में दिव्यांश ग्रुप विजेता। बालिका वर्ग में रानी साहू ग्रुप विजेता बनी। रस्सा खींच पुरूष वर्ग में रामेश्वर ग्रुप विजेता एवं महिला वर्ग में सती यादव ग्रुप विजेता बनी। कुर्सी दौड़ बालक वर्ग में प्रथम युगलकिशोर एवं द्वितीय प्रिंस। बालिका वर्ग में प्रथम यामिनी एवं द्वितीय पिंकी प्रजापति रही। नारियल फेंक में पुरुष वर्ग से प्रथम नंदू पटेल एवं द्वितीय ललित यादव रहे। महिला वर्ग में प्रथम नीरा यादव एवं द्वितीय कीर्ति पटेल रही। बालिका वर्ग में प्रथम पिंकी प्रजापति एवं द्वितीय पायल मंडावी रहीं। आलू दौड़ बालक वर्ग में प्रथम जतिन एवं द्वितीय मनीष रहे। बालिका वर्ग में प्रथम पिंकी प्रजापति एवं द्वितीय कामना साहू रहीं। मटका फोड़ पुरूष वर्ग में कैलाश साहू एवं योगेश यादव तथा महिला वर्ग में त्रिलोकी पटेल को पुरस्कृत किया गया।

विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया

कारगिल युद्ध में शहीद कौशल यादव के शहादत दिवस पर पूर्व सैनिकों ने श्रद्धांजलि अर्पित किया

राजनांदगांव (नांदगांव टाईम्स)। कारगिल युद्ध में शहीद कौशल यादव शहादत दिवस राजधानी रायपुर सहित कौशल यादव चौक पर मनाया गया।शाहिद को श्रद्धांजलि अर्पित कर पूर्व सैनिकों द्वारा बाइक रैली रायपुर शहर में निकला गया. रैली का उद्देश्य नवयुवकों में देशभक्ति की भावना जागृत करना है इस कार्यक्रम में कारगिल योद्धा विजय डागा, कमल नारायण मिश्रा, अंगेश्वर प्रसाद सिन्हा, पन्नालाल सिन्हा, योगेश साहू, अश्वनी कुमार खेमचंद निषाद अन्य पूर्व सैनिक, मातृशक्ति, नि:शुल्क प्रशिक्षण के परीक्षार्थी गण मन नागरिक उपस्थित हुए कल 26 जुलाई 2025 को सभी जिला मे पूर्व सैनिकों द्वारा कारगिल विजय दिवस मनाया जाएगा। पूर्व सैनिक नायक अंगेश्वर प्रसाद सिन्हा ने बताया कि छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के वीर सपूत कौशल यादव की शहादत को पूरा देश नमन कर रहा है। उन्होंने 1999 में पाकिस्तान से करगिल युद्ध के दौरान अकेले ही जुलू टॉप चोटी पर 30 पाकिस्तानी सैनिकों को शिकस्त दी थी।कौशल ने अकेले ही 5 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया था। इस्पात नगरी के वीर सपूत शहीद कौशल यादव ऑपरेशन विजय में 25 जुलाई 1999 को भारत-पाक सीमा पर वीरगति को प्राप्त हुए थे।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा और कांवड़ियों ने यात्रा के पांचवे दिन मोहतरा से यात्रा प्रारंभ कर डोंगरिया महादेव का किया जलाभिषेक

पदमराज सिंह ठाकुर

कबीरधाम(नांदगांव टाइम्स)। छत्तीसगढ़ प्रदेश की खुशहाली एवं प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि के लिए पंडरिया विधायक भावना बोहरा और उनके साथ लगभग 300 से अधिक कांवड़ यात्रियों के जत्थे का आज यात्रा के पांचवे दिन मोहतरा से पंडरिया नगर, परसवारा, दशरंगपुर पुतकी होते हुए डोंगरिया महादेव मंदिर पहुंचा जहाँ भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, विभिन्न सामजिक व हिन्दू संगठनों एवं शिवभक्तों ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान पंडरिया विधायक भावना बोहरा और सभी कांवड़ियों ने पूरे उत्साह के साथ डोंगरिया महादेव का जलाभिषेक किया और छत्तीसगढ़ की खुशहाली एवं प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान पंडरिया नगर में विधायक भावना बोहरा और कांवड़ियों के स्वागत के लिए हजारों की संख्या में भगवा वस्त्र धारण कर क्षेत्रवासियों ने पुष्पवर्षा कर सभी का भव्य स्वागत किया। इसके साथ ही ग्राम दशरंगपुर पुतकी में भी बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामवासियों ने भावना बोहरा और कांवड़ यात्रियों के आगमन पर उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया और यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी।

पी डब्लू डी के कार्य को अछोली सरपंच ने कराया!

डोंगरगढ़(नांदगांव टाईम्स)। विकासखंड के ग्राम अछोली मे डोंगरगढ़, खैरागढ़ मुख्य मार्ग भारी वाहनों के फराटे दार रफ्तार के जगह-जगह एक-एक फीट से ज्यादा गड्ढे हो गए हैं, जिसमें पानी भर जाने के कारण आए दिन इस मार्ग पर राहगीर दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं वही रात्रि मे गड्ढे दिखाई ना देने के कारण वाहन चालक चोटिल हो रहे हैं जिसे पीडब्ल्यूडी विभाग जानते हुए भी अनुदेखा करते आ रहा है अछोली में जगह-जगह इस मार्ग पर एक-एक फीट से ज्यादा गड्ढे हो गये है बीते एक हफ्तों में 12 से 15 लोग ग्राम अछोली के डोंगरगढ़ खैरागढ़ मुख्य मार्ग में दुर्घटना का शिकार हुए जिसे पीडब्ल्यूडी विभाग आंख मूंद के तमासा देखता रहा जिसे आज ग्राम अछोली के सरपंच नंदकुमार साहू ने संज्ञान में लेते हुए तत्काल सड़क मरम्मत हेतु स्वयं के खर्चे पर गिट्टी सीमेंट एवं रेत से तत्काल मरम्मत कराया गया जो कि किसी भी सरपंच द्वारा मानव सेवा की ओर तहलका एक अच्छा उदाहरण है!

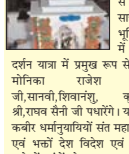

सदगुरु कबीर दर्शन यात्रा हेतु प्रतापगढ़ हरियाणा प्रांत से दर्जनों भक्तों पधारेंगे ग्राम -पेंडरी में आज

राजनांदगांव (नांदगांव टाईम्स)। जिला राजनांदगांव संस्कार धानी से लगें हुए सुकूलदैहान समीपस्थ ग्राम पेंडरी में दिनांक 26 जुलाई को सद्गुरु कबीर दर्शन यात्रा अंतर्गत प्रतापगढ़ हरियाणा प्रांत से दर्जनों भक्तों पंथ श्री हजूर अर्धनाम साहेब कबीर पंथाचार्य जी के पावन जन्म भूमि और सद्गुरु कबीर मंदिर आश्रम पेंडरी में पधारकर दर्शन लाभ प्राप्त करेंगे। इस दर्शन यात्रा में प्रमुख रूप से श्रीमती गीता संदीप सैनी जी, श्रीमती मोनिका राजेश सैनी जी,सानवी,शिवानंशु, कुमारी श्री,राघव सैनी जी पधारेंगे। यह कि कबीर धर्मानुयायियों संत महापुरुषों एवं भक्तों देश विदेश एवं भारत अनेकों प्रांतों से समय-समय पर सद्गुरु कबीर दर्शन यात्रा के तहत पहुंचकर साहेब जी के पावन जन्म भूमि पर मत्था टेंक कर अपने आप को सौभाग्य शाली धन्य महसूस करते है।यह जानकारी सदगुरु कबीर आश्रम पेंडरी के अध्यक्ष श्री फ्लेश कुमार साहू जी ने दी है।

शुभांक
1-4-7
378-8 345-2
भाग्यांक
235-0 370-0

नाम परिवर्तन

मैं राही बाई खुसरो पति वीरू सिंह खुसरो जाति गोड़ निवासी ग्राम ओड़ारबांध, तहसील डोंगरगांव, जिला-राजनांदगांव (छ.ग.) का हूँ। जो कि मेरे पुत्र के नाम से जारी आधार कार्ड में उनका नाम महाकाल कुलेश्वर सिंह दर्ज है। जिसे सुधार कर सही नाम महेश सिंह खुसरो दर्ज किया जावे।

राही बाई खुसरो
पति वीरू सिंह खुसरो
ग्राम ओडारबांध,
तहसील डोंगरगांव,
जिला-राजनांदगांव (छ.ग.)

नाम परिवर्तन

मैं टूमन लाल फरेन्द्र पिता देवारसिंग फरेन्द्र जाति हल्बा निवासी ग्राम परेवाडीह, (गोड़लवाही) तहसील छुरिया, जिला-राजनांदगांव (छ.ग.) का हूँ। जो की मेरे पुत्र के नाम से जारी आधार कार्ड में उनका नाम कृणाल पिता टूमन लाल फरेन्द्र दर्ज है। जिसे सुधार कर सही नाम कुणाल फरेन्द्र पिता टूमन लाल फरेन्द्र दर्ज किया जावे।

टूमन लाल फरेन्द्र
ग्राम परेवाडीह,
(गोड़लवाही)
तहसील छुरिया,
जिला-राजनांदगांव (छ.ग.)

कबीरधाम पुलिस की बड़ी कार्रवाई - दो किलो गांजा बाइक और मोबाइल के साथ पांच तस्कर गिरफ्तार

पदमराज सिंह ठाकुर

कबीरधाम(नांदगांव टाइम्स)। कबीरधाम जिले में गांजा तस्करी की एक और बड़ी कड़ी को पुलिस ने तोड़ दिया है। पिपरिया थाना ने धरमपुरा से इंदौरी की ओर जा रहे गांजा तस्करों की घेराबंदी कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से दो किलो से अधिक मादक पदार्थ गांजा, एक मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन सहित कुल 70,470 रुपये मूल्य का सामान जब्त किया गया है। तलाशी में उनके कब्जे से 2.047 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत 20,470 रुपये आंकी गई। मोटरसाइकिल की कीमत लगभग 50,000 रुपये है। मौके पर ही माल को जब्त कर विधिवत सील किया गया। गिरफ्त में लिए गए दोनों युवकों ने पूछताछ में जो जानकारी दी, उसके आधार पर पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ। उन्होंने बताया कि यह गांजा उन्होंने अन्य तीन व्यक्तियों के साथ मिलकर खरीदा था और बेचने के लिए इंदौरी की ओर ले जा रहे थे।

गिरफ्तार किए गए पांचों आरोपी इस प्रकार हैं:

1. राकेश चन्द्रवंशी पिता लोमस चन्द्रवंशी, उम्र 22 वर्ष, निवासी ग्राम जिन्दा, थाना पिपरिया, जिला कबीरधाम 2. नीरज चन्द्रवंशी पिता दिनेश चन्द्रवंशी, उम्र 20 वर्ष, निवासी ग्राम सैहामालगी, चौकी दामापुर, थाना कुण्डा, जिला कबीरधाम 3. आदित्य चन्द्रवंशी पिता संतोष चन्द्रवंशी, उम्र 19 वर्ष, निवासी ग्राम बिरकोना, जिला कबीरधाम 4. अनुज साहू पिता राजेन्द्र साहू, उम्र 25 वर्ष, निवासी ग्राम धरमपुरा, जिला कबीरधाम 5. रामेश्वर कौशिक पिता संतोष कौशिक, उम्र 25 वर्ष, निवासी ग्राम जिन्दा, थाना पिपरिया, जिला कबीरधाम इन सभी से पूछताछ कर उनके पास से मोबाइल फोन, सीम कार्ड, गांजा बिक्री से संबंधित रकम एवं अन्य साक्ष्य जब्त किए गए हैं। सभी के खिलाफ थाना पिपरिया में अपराध क्रमांक 220/2025, धारा 20(बी)(बी), 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें माननीय एनडीपीएस विशेष न्यायालय कबीरधाम में प्रस्तुत किया गया। इस पूरे मामले में खास बात यह रही कि पुलिस ने गांजा की पूरी सप्लाई चेन ङ्क बिरकोना और धरमपुरा (जहां से गांजा लिया गया), इंदौरी (जहां बेचने ले जाया जा रहा था) ङ्क को पहचान कर हर कड़ी को तोड़ दिया। पुलिस अधीक्षक श्री धर्मेन्द्र सिंह ने कार्रवाई में शामिल पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि जिले में किसी भी तरह की नशे की तस्करी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

छत्तीसगढ़ सरकार ने ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल बदला, पुराने पोर्टल के आवेदन नहीं दिख रहें, जनता परेशान - ज्यादातर मामले जाति प्रमाण पत्र के - लवकुमार रामटेके

राजनांदगांव (नांदगांव टाईम्स)। छत्तीसगढ़ सरकार ने ई-डिस्ट्रिक्ट का पोर्टल 2.0 में बदला, पुराने पोर्टल केआवेदन नहीं दिख रहें, एसडीएम राजस्व, तहसीलदार व लोक सेवा केन्द्र संचालक फिर से नया आवेदन करने कह रहें, जिससे आम जनता परेशान. नया आवेदन करने से दोबारा शुल्क भी देना होगा, फिर सालो से लंबित आवेदन का क्या होगा ? दोबारा आवेदन करने से सारी प्रक्रिया दोबारा करनी होगी, जिससे फिर आवेदको को सालो लगाने पडेगें चक्कर. वर्ष 2015 से ऑनलाईन प्रक्रिया प्रारंभ है, तब से लेकर आज तक लाखों आवेदनों का निराकरण नहीं हुआ है, वे आज भी लंबित/पेंडिंग ही है, जिसें ज्यादातर मामले, जाति प्रमाण पत्र के है, जो लम्बें समय से अपनी समस्या से जुझते हुए माननीय हाईकोर्ट तक याचिका दाखिल किये है, हाईकोर्ट से आदेश निर्देश पुराने आवेदन पर जारी हो रहा है, क्योकिं आवेदन करने पर सक्षम अधिकारी के द्वारा उठायी गई आपत्ति के आधार पर अपील व रिट की जाती है, जो आज भी लंबित है. अब नये पोर्टल में नया आवेदन करने से वर्तमान अधिकारी नये आवेदन पर नयी आपत्ति करेगें जिससे प्रकरण और सालो तक लंबित रहेगें. वहीं आवेदक को नये आवेदन करने से पुरानी समस्या जैसी की वैसी ही लंबित रहेगी, और नया आवेदन के लिये दुबारा पटवारी के चक्कर व अन्य दस्तावेजों के लिये चक्कर लगाने पडेगें. साथ ही आवेदन करने के लिये नया शुल्क भी देना पडेगा. हम सरकार से मॉग करते है कि नये पोर्टल में पुराने आवेदन व उसपर की गई व हो रही कार्यवाही जानकारी पूर्ववत मिले ऐसे बदलाव करें ताकि प्रदेश की जनता को आर्थिक, मानसिक व व्यवहारिक परेशानियों का सामना ना करना पड़े. और आम जनता का समय बचें, जनता का काम समय पर हो, समय पर न्याय मिलें.

सरस्वती शिशु मंदिर में हरेली पर्व का आयोजन

डोंगरगांव (नांदगांव टाईम्स)। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डोंगरगांव में 25 जुलाई को कृषि प्रधान प्रदेश छत्तीसगढ़ का प्रमुख पर्व हरेली पर्व का आयोजन किया गया द्य कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुंभकार समाज से नरेश पाड़े , शिव कुमार साहू अभिभावक खुज्जी उपस्थित थे द्य कृषि संकाय के प्रमुख आचार्य अनमोल पगारे, कु.हेमा साहू कु.राजेश्वरी देशमुख दीदी के मार्गदर्शन में परंपरा अनुसार सरस्वती माता का पूजन, सरस्वती वंदना के साथ कृषि संबंधित औजारों का पूजन अर्चन किया गया द्य तत्पश्चात सांस्कृतिक प्रमुख आचार्य नेमूदास साहू द्वारा कृषि कार्य, कृषि व्यवसाय के महत्व पर प्रकाश डाला गया द्य सरस्वती शिशु मंदिर डोंगरगांव में शिक्षण कार्य के साथ-साथ विभिन्न पर्वों, उत्सवों का आयोजन करके भैया बहिनों को ज्ञानार्जन कराया जाता है।

न्यायालय नायब तहसीलदार डोंगरगढ
जिला-राजनांदगाँव (छ.ग.)

!! ईश्तहार !!

रा.प्र.क. 202507092300002
ब-121 वर्ष 2024-25

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक काहत लाल पिता ज्ञानिक जाति लोधी निवासी ग्राम छीपा, तहसील डोंगरगढ़ द्वारा आवेदन पत्र पेश किया गया है कि आवेदक की पुत्री कुमारी भूमिका पिता कहत लाल की मृत्यु सडक दुर्घटना में दिनांक 11/04/2025 को होने तथा जिला चिकित्सालय में पहुंचने पर मृत घोषित कर दिया गया तथा शव का पोष्टमार्टम किया गया। जिला चिकित्सालय में मृत्यु नहीं होने के कारण वहां से मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं बन पाया। ग्राम छीपा, में मृतिका का अंतिम संस्कार आदि कार्यक्रम संपन्न हुआ था जिसका ग्राम पंचायत के जन्म/मृत्यु पंजी में दर्ज नहीं कराया गया है। अतः आवेदक द्वारा अपनी पुत्री कुमारी भूमिका पिता कहत लाल की मृत्यु दिनांक 11/04/2025 को होने से ग्राम पंचायत छीपा के जन्म / मृत्यु पंजी में दर्ज किये जाने बाबत् आवेदन पत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, मृत्यु के संबंध में चिकित्सा प्रमाण पत्र, मर्ग अटिमेशन, पी.एम. रिपोर्ट, आदि की प्रति पेश कर मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने का निवेदन किया गया है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को किसी प्रकार की दावा / आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दावा/आपत्ति पेशी दिनांक 04/08/2025 तक या उसके पूर्व प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 18/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

सील — नायब तहसीलदार डोंगरगढ़

न्यायालय नायब तहसीलदार डोंगरगढ ।
के न्यायालय मे मामला क्रमांक:
202506095200016

विषयः- अ-6 अ
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः- 2024-2025
कोलेन्द्रा (प ह न. 00017),
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार पवन गोमन कुराहे,
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

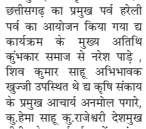

एतद द्वारा सर्व सधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक पवन गोमन कुराहे पिता श्री गोमन कुराहे जाति लोधी निवासी कारूटोला तहसील सालेकसा जिला गोंदिया (महाराष्ट्र) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया है कि आवेदक के नाम पर ग्राम कौलेंद्रा प.ह.न. 17 रा.नि.म. बेलगाँव तहसील डोंगरगढ़ में खसरा नम्बर क्रमशः 190/2, 455/2, 459, 462/1, 463/1 रकबा क्रमशः 0.101, 0.198, 0.150, 0.105, 0.259 है. कुल खसरा नम्बर 05 कुल रकबा 0.809हे. भूमि स्थित है। जिसकी ऋष्टा पुस्तिका क्रमांक पी 0361300 है जो कि आवेदक के पास है। वर्तमान में वाद भूमि का ऑनलाईन राजस्व अभिलेख में आवेदक का नाम न होकर अनावेदकगण गणेशिया पति योगेश, कांति बाई पति हरिचंद, कांताबाई पति रोहित. सभी जाति लोधी सभी सा. कोलेंद्रा का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज है। जिसके कारण आवेदक को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है एवं शासन के योजनाओं का लाभप्राप्त नहीं हो रहा है। अतः आवेदक द्वारा उक्त वाद भूमि का ऑनलाईन राजस्व अभिलेख पर से अनावेदकगण का नाम विलोपित कर अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया है। अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर व आपत्ति हो तो वह ईश्तहार प्रकाशन दिनांक 08.08.2025 तक या उसके पूर्व स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 25/07/2025 को जारी किया जाता है।

सील — नायब तहसीलदार डोंगरगढ़

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी
(राजस्व) डोंगरगढ़, जिला राजनांदगांव,
(छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202506092100026 अ/6
वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक गुरदीप कौर आयु 45 वर्ष पत्नि परविन्दर सिंह भाटिया सिक्ख निवासी बुधवारी पारा वार्ड नं. 13 डोंगरगढ़ तहसील डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव (छ0ग0) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदिका एवं अनावेदिका हरप्रीत कौर के संयुक्त स्वामित्व व आधिपत्य में भूखण्ड नजूल शहर वार्ड नं. 21 डोंगरगढ़ तहसील जिला राजनांदगांव छ0ग0 में स्थित शीट क्रमांक 01 भूखण्ड क्रमांक 535/3 क्षेत्रफल 1680 वर्गफुट 156.077 वर्गमीटर लगान 4.34 रूपये स्थित है। उक्त संयुक्त स्वामित्व की भूमि में से अपने हक हिस्से की भूमि को अनावेदिका द्वारा आवेदिका को दे दिया, अनावेदिका द्वारा उक्त अपने हक हिस्से की भूमि को आवेदिका के पक्ष में दिनांक 23.05.2025 को पंजीयत हक परित्याग विलेख उप पंजीयक कार्यालय डोंगरगढ़ में निष्पादित कर उक्त भूमि का आधिपत्य सौप दिया है। उक्त हक परित्याग विलेख के अधिकार से आवेदिका उक्त भूमि की भूमि स्वामी है। उक्त भूमि के राजस्व अभिलेख से अनावेदिका का नाम विलोपित कर आवेदिका का नाम दर्ज किये जाने का निवेदन किया है। अतएव उक्त भूमि के नामांतरण किये जाने में किसी को कोई दावा, उजर आपत्ति हो तो वह पेशी दिनांक 11/08/2025 तक स्वयं उपस्थित होकर इस न्यायालय में मेरे समक्ष पेश कर सकते है, नियत अवधि बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक/8/7/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) डोंगरगढ़ (छ.ग.

ग्राम जिंदा को मिला छत्तीसगढ़ का पहला टीबी मुक्त गांव होने का गौरव

पदमराज सिंह ठाकुर

कबीरधाम(नांदगांव टाइम्स)। टीबी मुक्त भारत अभियान को सशक्त आधार देते हुए कबीरधाम जिले ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। जिले की ग्राम पंचायत जिंदा को प्रदेश का पहला टीबी मुक्त ग्राम घोषित किया गया है। इस उपलब्धि को मान्यता प्रदान करते हुए आज प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने ग्राम जिंदा पहुँचकर ग्राम पंचायत को टीबी मुक्त होने का प्रमाण पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर आयोजित गरिमामयी कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए टीबी मुक्त भारत अभियान को छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में गंभीरता से लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि टीबी जिसे पहले एक गंभीर बीमारी माना जाता था, अब आधुनिक चिकित्सा, टीकों, दवाइयों और जनसहभागिता के चलते नियंत्रण और समाप्ति की दिशा में है।

विश्व आदिवासी दिवस पर रमन सिंह आमंत्रित

राजनांदगांव (नांदगांव टाईम्स)। विश्व आदिवासी दिवस में छ.ग. विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन मुख्य अतिथि आमांत्रित । एक तीर एक कमान सब आदिवासी एक समान के मूल मंत्र के साथ आगमी 9 अगस्त 25 को संभागीय स्तरीय (दुर्ग) विश्व आदिवासी दिवस राजनांदगांव के पद्म श्री गोविंद राम निर्मलकर आँडोटोरियम में आयोजित होने जा रहा है जिसके आयोजक नीलकंठ गढ़े जिलाध्यक्ष प्रांतीय महासचिव होगे और उनके सहयोगी रहेंगे जिलाध्यक्ष नरसिंह भंडारी अं.चौकी जिला अध्यक्ष फागू राम मरकाम कबीर धाम थानसिंह मंडावी जिला अध्यक्ष बालोद राजकुमार ठाकुर बेमेतरा पन्ना मंडावी खैरागढ़ सीता राम ठाकुर जिला दुर्ग । उक्त कार्यक्रम की भव्यता के लिए मुख्य अतिथि के आंसदी हेतु छ. ग. विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह जी को आमात्रित करने के लिए मुख्य आयोजक नीलकंठ गढ़े सीता राम ठाकुर इंजीनियर ज्ञानेश्वर ताम्रकार एडवोकेट रमेश साहू आदि उपस्थित हुए । यह प्रेस विज्ञप्ति रमेश मंडावी द्वारा जारी किया गया।

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (सामा.निर्वा.)
जिला- खैरागढ़-छुईखदान-गंडई (छ.ग.)
Tel. No. (07820299500) Mail ID- Email-deo-kcg@cg.gov.in

-: सूचना:-

क्रमांक /186/वि.स्था./ 2025-26 दिनांक 22/07/2025

निम्नांकित वाहन मालिकों को सूचित किया जाता है कि विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2023 एवं लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 में नियोजित वाहनों का किराया राशि भुगतान नहीं हो पाया है। अतः वे तत्काल अपनी आर.सी. बुक, पैन कार्ड, बैंक पासबुक एवं वाहन अधिग्रहण आदेश के साथ जिला निर्वाचन कार्यालय के कक्ष क्रमांक-13 में दिनांक 30/07/2025 तक उपस्थित होकर अनिवार्य रूप से जमा करें। ताकि वाहन किराया राशि का भुगतान किया जा सके।

अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी,
(सामान्य निर्वाचन)
जिला-खैरागढ़-छुईखदान-गंडई (छ.ग.)

जी- 252602350/1

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) राजनांदगांव (छ0ग0)

// बंधक प्लाट आदेश //

क्रमांक / 3783 / अ.वि.अ./प्र.1/2025 राजनांदगांव दिनांक 25/07/20245

छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 (कं0-1 वर्ष 1994) कालोनाईजर का रजिस्ट्रीकरण निर्बन्धन तथा शर्ते नियम 1999 व यथा संशोधित के अनुरूप आवेदक श्री विनोद बोहरा आ0 श्री जेठमल बोहरा डायरेक्टर महावीर इन्फ्राकान प्रा0लि0 निवासी सनसिटी कंचनबाग राजनांदगांव के निज स्वामित्व की ग्राम पनेका प0ह0नं0 29 स्थित भूमि ख0नं0 15000 रकबा 0.1980 हे0 पर आवासीय प्रयोजन (भू-खण्डीय विकास) हेतु कालोनी विकास अनुज्ञा इस न्यायालय के रा0मा0क 202507090700040 अ/89 (13) वर्ष 2024-25 के द्वारा दिनांक 25/07/2025 को जारी किया गया है।

कालोनाईजर का रजिस्ट्रीकरण निर्बन्धन तथा शर्ते नियम 199 के नियम-12 व यथा संशोधित के अनुसार कमजोर आय वर्ग के लिए सुरक्षित रखे गए भू-खण्डों को छोड़कर शेष भू-खण्ड के 15 प्रतिशत की संख्या में भू-खण्ड सक्षम अधिकारी के पास बंधक रखा जाता है। ये भू-खण्ड नियम 13 के उप नियम (2) के अध्यधीन रहते हुए कालोनी का आंतरिक व बाह्य विकास कार्य पूर्ण होने पर बंधनमुक्त किए जाएंगे तथा विक्रय हेतु कालोनाईजर को उपलब्ध रहेंगे। नगर तथा ग्राम निवेश विभाग के अनुमोदित अभिन्यास अनुसार बंधक प्लाट का विवरण निम्नानुसार है :-

क्रं.	प्लाट नं.	रकबा (व.मी.)
1	सी 77	123.00
2	सी 85	118.65
कुल	02	241.65

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
राजनांदगांव (छ.ग.)

ज्ञान मंथन

1) अशोक के शासन में आयोजित बौद्ध संगीत का अध्यक्ष कौन था?
2) कोई व्यक्ति भारत के अटॉर्नी जनरल बनने की योग्यता प्राप्त कर लेता है यदि वह किस पद की योग्यता प्राप्त कर लेता है?
3) पृथ्वी की भूमध रेखा की कुल लम्बाई लगभग कितनी है?
4) ज्यादा वैयक्तिक होना, किस प्रकार का सम्प्रेशण माध्यम है?
5) प्रसिद्ध नाबाकलेबर त्योहार किस प्रदेश से संबंधित है?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)

उत्तर माला

(1) मोगलिपुत्र तिश्य (2) सुप्रीम कोर्ट का न्यायधीश (3) 40075 किमी (4) नकारात्मक सम्प्रेशण माध्यम (5) ओडिशा

सांसद की अध्यक्षता में दिशा की बैठक आज

राजनांदगांव (नांदगांव टाईम्स)। सांसद श्री संतोष पाण्डेय की अध्यक्षता में 26 जुलाई 2025 को दोपहर 12 बजे जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित की गई है। बैठक में सभी सदस्यों को उपस्थित होने का आग्रह किया गया है तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक जानकारी सहित बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए है।

जिला खनिज संस्थान न्यास की शासी परिषद् की बैठक आज

राजनांदगांव (नांदगांव टाईम्स)। जिला खनिज संस्थान न्यास की शासी परिषद् की बैठक 26 जुलाई 2025 को दोपहर 2 बजे कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित की गई है। बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 के विभिन्न विषयों पर चर्चा एवं अनुमोदन किया जाएगा। बैठक में संबंधितों को उपस्थित होने का आग्रह किया गया है। साथ ही बैठक में अधिकारियों को आवश्यक जानकारी सहित उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए है।

भेंड़्वानी, सांकरा एवं अंजोरा सिंचाई जलाशय को लीज पट्टा पर प्राप्त करने 8 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित

राजनांदगांव (नांदगांव टाईम्स)। जनपद पंचायत राजनांदगांव अंतर्गत आने वाले भेंड़्वानी, सांकरा एवं अंजोरा (डायवर्सन) सिंचाई जलाशय को 10 वर्षीय लीज पट्टा पर प्रदान करने के लिए 8 अगस्त 2025 तक कार्यालय जनपद पंचायत राजनांदगांव में आवेदन आमंत्रित की गई है। सिंचाई जलाशय को लीज पट्टा पर प्राप्त करने के लिए इच्छुक एवं पात्र समिति या व्यक्ति निर्धारित तिथि तक आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

चयन परीक्षा परिणाम जारी, दावा आपत्ति 28 जुलाई तक

राजनांदगांव (नांदगांव टाईम्स)। पंडित जवाहर लाल नेहरू उत्कर्ष योजना अंतर्गत वर्ष 2025-26 में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु आयोजित चयन परीक्षा के परिणाम जारी कर दिया गया है। जारी परीक्षा परिणाम के संबंध में 28 जुलाई 2025 तक दावा आपत्ति प्रस्तुत की जा सकती है। जारी परीक्षा परिणाम का अवलोकन कार्यालय आदिवासी विकास विभाग एवं संबंधित कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी के सूचना पटल पर किया जा सकता है।

स्वामी श्री करपात्रीजी के संदेशों को वर्तमान में आत्मसात करने की आवश्यकता

करपात्री जयंती पर विशेष

अरविन्द तिवारी

जगन्नाथपुरी (नांदगांव टाइम्स)। ऋग्वेदीय पूर्वाम्नाय श्रीगोवर्द्धनमठ पुरीपीठाधीश्वर अनन्तश्री विभूषित श्रीमज्जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्रीनिश्चलानन्द सरस्वतीजी महाराज के गुरू सर्वभूतहृदय यतिचक्रचूड़ामणि रामराज्य के प्रणेता धर्मसम्राट स्वामी करपात्रीजी महाराज का आज श्रावण शुक्ल द्वितीया 26 जुलाई शनिवार को 118 वाँ प्राकट्य दिवस है। आज का दिन धर्मसंघ पीठ परिषद , आदित्यवाहिनी ङ्क आनंदवाहिनी संगठन के लिये करपात्री जी महाराज को समर्पित है। आज के परिवेश में पूज्य करपात्री जी महाराज के संदेश हमें मार्ग प्रदान करते हैं। सनातन मानबिन्दुओं की रक्षा , गोरक्षा , राजनीति में शुचिता हेतु राम राज्य परिषद की स्थापना जैसे कार्यों के लिये उनका व्यक्तित्व एवं दर्शन आत्मसात करने योग्य अनुकरणीय है। स्वामी करपात्रीजी भारत के एक सन्त , स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं राजनेता थे। दशनामी परम्परा के सन्यासी स्वामीजी का मूल नाम हरिनारायण ओझा था। दीक्षा के उपरान्त उनका नाम च्हरिहरानन्द सरस्वतीज् पड़ा किन्तु वे च्करपात्रीज् नाम से ही प्रसिद्ध थे। (कर = हाथ , पात्र = बर्तन, करपात्री = हाथ ही बर्तन हैं जिसके)। आप के कर कमलों में जितना भोजन आता आप उतना ही भोजन प्रसाद समझकर प्रसन्नतापूर्वक ग्रहण कर लेते इसलिये आप करपात्री के नाम से विख्यात हुये। धर्मनियंत्रित , पक्षपातविहिन , शोषण विनिर्मुक्त शासनतंत्र की स्थापना के लिये आपने वर्ष 1948 में अखिल भारतीय रामराज्य परिषद नामक राजनैतिक दल का भी गठन किया था। धर्मशास्त्रों में इनकी अद्वितीय एवं अतुलनीय विद्वता को देखते हुये इन्हें च्धर्मसम्राटज् की उपाधि प्रदान की गयी थी। आज जो रामराज्य सम्बन्धी विचार गांधी दर्शन तक में दिखाई देते हैं - धर्म संघ , रामराज्य परिषद् , राममंदिर आन्दोलन , धर्म सापेक्ष राज्य आदि सभी के मूल में स्वामीजी ही हैं। स्वामी करपात्री का जन्म सम्वत् 1964 विक्रमी (सन् 1907 ईस्वी) में श्रावण मास शुक्ल पक्ष द्वितीया को उत्तरप्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के भटनी ग्राम में सनातनधर्मी सरयूपारीण ब्राह्मण रामनिधि ओझा एवं श्रीमती शिवरानी जी के आँगन में हुआ। बचपन में उनका नाम च्हरिनारायणज् रखा गया। स्वामी जी तीन भाई थे ङ्कज्येष्ठ भ्राता हरिहरप्रसाद , मँझले हरिशंकर और छोटे हरिनारायण आप स्वयं थे। मात्र 09 वर्ष की अल्पायु में प्रतापगढ़ के खंडवा गाँव के पं0 रामसुचित की सुपुत्री महादेवी जी के साथ आपका विवाह संपन्न करा दिया गया किन्तु सोलह वर्ष की आयु में एक पुत्री के जन्म लेने के बाद आपने पूरे परिवार को रोता बिलखता छोड़ माता पिता को प्रणाम करके हमेशा के लिये गृहत्याग कर दिया। उसी वर्ष ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती से कांशी के दुर्गाकुण्ड में नैष्ठिक ब्रह्मचारी की दीक्षा लेकर दण्ड ग्रहण कर हरि नारायण से च् हरिहर चैतन्य च् बने। वे स्वामी ब्रह्मानन्द सरस्वती के शिष्य थे। इन्होंने नैष्ठिक ब्रह्मचर्य श्री जीवन दत्त महाराज जी से , संस्कृत अध्ययन षड्दर्शनाचार्य पंडित स्वामी श्री विश्वेश्वराश्रम जी महाराज से , व्याकरण शास्त्र, दर्शन शास्त्र, भागवत, न्यायशास्त्र, वेदांत अध्ययन, श्री अचुत्मुनी जी महाराज से अध्ययन ग्रहण किया। श्री विद्या में दीक्षित होने पर धर्मसम्राट का नाम षोडशानन्द नाम भी पड़ा। सत्रह वर्ष की आयु से हिमालय गमन प्रारंभ कर अखण्ड साधना की और श्रीविद्या में दीक्षित होने पर धर्मसम्राट का नाम षोडशानन्द नाथ पड़ा। केवल 24 वर्ष की आयु में परम तपस्वी 1008 श्री स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वतीजी महाराज से विधिवत दण्ड ग्रहण कर च्अभिनवशंकरज्ज् के रूप में प्राकट्य हुआ। एक सुन्दर आश्रम की संरचना कर पूर्ण रूप से सन्यासी बन कर च्परमहंस परिब्राजकाचार्य 1008 श्री स्वामी हरिहरानंद सरस्वती श्री करपात्री जी महाराजज्ज् कहलाये। करपात्रीजी का अधिकांश जीवन वाराणसी में ही बीता , वे अद्वैत दर्शन के अनुयायी एवं शिक्षक भी थे। उन्होने सम्पूर्ण भारत में पैदल यात्रायें करते हुये धर्म प्रचार के लिये सन 1940 ई0 में च्अखिल भारतीय धर्म संघज्ज् की स्थापना की। धर्मसंघ का दायरा संकुचित नहीं , अत्यन्त विशाल है जो आज भी प्राणी मात्र में सुख-शांति के लिये प्रयत्नशील है। संघ की दृष्टि में समस्त जगत और उसके प्राणी सर्वेश्वर भगवान के अंश हैं या उसके ही रूप हैं। संघ का मानना है कि यदि मनुष्य स्वयं शान्त और सुखी रहना चाहता है तो औरों को भी शान्त और सुखी बनाने का प्रयत्न आवश्यक है। इसलिये धर्मसंघ के हर कार्य के आरम्भ और अन्त में च्धर्म की जय हो , अधर्म का नाश हो , प्राणियों में सद्भावना हो , विश्व का कल्याण होज्ज् ऐसे पवित्र जयकारे किये जाते हैं। इसमें अधार्मिकों के नाश के बजाय अधर्म के नाश की कामना की गयी है।

गोरक्षा आन्दोलन -

इंदिरा गांधी के लिये उस समय चुनाव जीतना बहुत मुश्किल था 7 क्योंकि सबको पता था की करपात्री महाराज के पास वाक सिद्धि (किसी की भविष्यवाणी को सच करने की शक्ति) थी। इसलिये इंदिरा गाँधी ने उनकी शरण ली और उनके सामने प्रधानमंत्री बनने मंशा रखी , करपात्री जी महाराज के आशीर्वाद से इंदिरा गांधी चुनाव जीती। इंदिरा गांधी ने उनसे वादा किया था चुनाव जीतने के बाद गाय के सारे कत्ल खाने बंद हो जायेगें जो अंग्रेजों के समय से चल रहे हैं। लेकिन इंदिरा गांधी मुसलमानों और कम्यूनिस्टों के दबाव में आकर अपने वादे से मुकर गयी थी। जब तत्कालीन प्रधानमंत्री ने संतों इस मांग को ठुकरा दिया जिसमें संविधान में संशोधन करके देश में गौ वंश की हत्या पर पाबन्दी लगाने की मांग की गयी थी तो संतों ने 07 नवम्बर 1966 को संसद भवन के सामने धरना शुरू कर दिया। हिन्दू पंचांग के अनुसार उस दिन विक्रमी संवत 2012 कार्तिक शुक्ल की अष्टमी थी जिसे च्गोपाष्टमीज् भी कहा जाता है। इस धरने में भारत साधु-समाज, सनातन धर्म, जैन धर्म आदि सभी भारतीय धार्मिक समुदायों ने इसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस आन्दोलन में चारों शंकराचार्य तथा स्वामी करपात्री जी भी जुटे थे। पुरी के जगद् ?गुरु शंकराचार्य श्री स्वामी निरंजनदेव तीर्थ तथा महात्मा रामचन्द्र वीर के आमरण अनशन ने आन्दोलन में प्राण फूंक दिये थे। लेकिन इंदिरा गांधी ने उन निहत्थे और शांत संतों पर पुलिस के द्वारा गोली चलवा दी जिससे कई संत , महात्मा और गोभक्त काल कलवित हो गये । इस हत्याकांड से क्षुब्ध होकर तत्कालीन गृहमंत्री च्गुलजारी लाल नंदाज् ने अपना त्याग पत्र दे दिया और इस कांड के लिये खुद सरकार को जिम्मेदार बताया था। लेकिन संत च्राम चन्द्र वीरज् अनशन पर डटे रहे जो 166 दिनों के बाद उनकी मौत के बाद ही समाप्त हुआ था। राम चन्द्र वीर के इस अद्वितीय और इतने लम्बे अनशन ने दुनियाँ के सभी रिकार्ड तोड़ दिये है । यह दुनियाँ की पहली ?सी घटना थी जिसमे एक हिन्दू संत ने गौ माता की रक्षा के लिये 166 दिनों तक भूखे रह कर अपना बलिदान दिया था। गौ रक्षा आंदोलन में गोली चालन से व्यथित करपात्री जी महाराज ने इंदिरा गाँधी को श्राप दिया कि जिस प्रकार आपने इन संतों की हत्या की है उसी प्रकार से आपकी और आपके वंशों की भी हत्या होगी जिसका परिणाम आप सभी जानते ही हैं।

ब्रह्मलीन -

करपात्री जी महाराज माघ शुक्ल चतुर्दशी सम्वत 2038 (07 फरवरी 1982) को केदारघाट वाराणसी में स्वेच्छा से महाप्राण में विलीन हो गये। उनके निर्देशानुसार उनके नश्वर पार्थिव शरीर का केदारघाट स्थित श्री गंगा महारानी को पावन गोद में जल समाधि दी गई। आपने अपने साहित्य सृजन के माध्यम से समाज में जो चेतना जागृत की है वह हमेशा अविस्मरणीय रहेगी। आपने वेदार्थ पारिजात , रामायण मीमांसा , विचार पीयूष , पूँजीवाद , समाजवाद , मार्क्सवाद जैसे अनेकों ग्रँथ लिखे। आपके ग्रन्थों में भारतीय परम्परा का बड़ा ही अद्भुत व प्रामाणिक अनुभव प्राप्त होता है। आपने सदैव ही विशुद्ध भारतीय दर्शन को बड़ी दृढ़ता से प्रस्तुत किया है। आपके लिखित ग्रंथों से यह प्रेरणा मिलती है कि लोकतंत्र मे राष्ट्र को समृद्धशाली बनाने में अध्यात्मवाद आवश्यकता है। आपने हिन्दू धर्म की बहुत सेवा की। आपका नाम विश्व के इतिहास में युगपुरुष के रूप में सदैव अमर रहेगा। स्वामीजी का प्राकट्य दिवस मनाना तभी सफल हो सकता है जब हम उनके बताये मार्गों पर चलने की प्रेरणा लें और भव्य राष्ट्र की संरचना में अपनी सहभागिता निश्चित करें।

गायत्री विद्यापीठ में हेड ब्वॉय-हेड गर्ल के साथ समूह लीडरों का चयन

राजनांदगांव (नांदगांव टाईम्स)। शिक्षा व संस्कार के क्षेत्र में अग्रणी जिले की प्रतिष्ठित शालागायत्री विद्यापीठ में हेड ब्वॉय व हेड गर्ल के साथ विभिन्न समूहों के लीडरों के नामोंकी घोषणा सर्व-सम्मति से की गई। जिसमें सर्वप्रथम शालेय परम्परा अनुरूप दीप प्रज्वलनके साथ शाला की प्राचार्य श्रीमती शैलजा नायर, उप प्राचार्य श्रीमती रश्मि ठाकुर एवंसमस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं की गरिमामयी उपस्थिति में यह कार्य संपन्न हुआ।इस अवसर पर शाला की प्राचार्य श्रीमती शैलजा नायर द्वारा विद्यार्थियों को प्रेरितकरते हुए कहा गया कि एक अच्छे लीडर में ऐसी कई खूबियाँ होनी चाहिए जिससे वह अपनी टीमका प्रतिनिधित्व कर टीम को आगे बढ़ाए। दूरदृष्टि, सहानुभूति, प्रभावी संचार, जिम्मेदारीलेना, आत्म विश्वासी होना ऐसे अनेक गुणों का समावेश होना टीम लीडर हेतु आवश्यक है।सभी टीम लीडर्स को विद्यालय परिवार की ओर से अनेक शुभकामनाएँ, हमें आशा ही नहीं पूर्णविश्वास है कि आप सभी हमारी उम्मीदों पर खरे उतरेंगे और एक प्रभावी लीडर बनकर विद्यालयऔर अपने माता-पिता का नाम रोशन करेंगे।क्रीडा अधिकारी श्री अखिलेश मिश्रा, शिक्षक मेलकम दास द्वारा सभी नामों की घोषणाकी गई। शाला की व्याख्याता व मीडियाप्रभारी श्रीमती उषा झा से मिली जानकारी के अनुसार चयनित विद्यार्थियों के नामोंकी सूची इस प्रकार हैं - शाला के हेड ब्वॉय अनमोल गुप्ता, असिस्टेंट हेड ब्वॉयसक्षम सोनी, हेड गर्ल अनोखी बजाज, असिस्टेंट हेड गर्ल वानी साहू, स्पोर्ट्र्ससेक्रेटरी ब्वॉय जय भानुशाली, असिस्टेंट स्पोर्ट्स सेक्रेटरी जीत साहू, स्पोर्ट्ससेक्रेटरी गर्ल भूमिका साहू, असिस्टेंट स्पोर्ट्स सेक्रेटरी अनुष्का सोनी को चुनागया। साथ ही साथ विभिन्न समूहों के हाऊस लीडरों के नाम भी घोषित किए गए जिसमें आजादहाऊस से हाऊस प्रीफेक्ट मानव शर्मा, सृष्टि वासनिक, असिस्टेंट हाऊस प्रीफेक्टविनायक शर्मा, निर्मला देवांगन, प्रताप हाऊस से हाऊस प्रीफेक्ट शुभदीप मंडल, राशितराने, असिस्टेंट हाऊस प्रीफेक्ट हुमन लाल साहू, कशीश भिवगड़े, शिवाजी हाऊस सेहाऊस प्रीफेक्ट चयन सिन्हा, वैष्णवी साहू, असिस्टेंट हाऊस प्रीफेक्ट नचिकेत बीसेन,मौली जैन, सुभाष हाऊस से हाऊस प्रीफेक्ट अनुकरण कोठारे, याशिका देवांगन, असिस्टेंटहाऊस प्रीफेक्ट भविष्य सोनकर, आर्या देशमुख चुने गए। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने दायित्वों का निर्वहन कुशलतापूर्वक निभानेका आश्वासन दिया। गायत्री शिक्षण समिति के अध्यक्ष बृजकिशोर सुरजन, उपाध्यक्ष श्रीमती संध्यादेवीसिंघल, श्री राजेश जैन, सचिव श्री गगन लड्ढा, सहसचिव निकुंज सिंघल, कोषाध्यक्ष सूर्यकान्तचितलांग्या, संरक्षक श्री नंदकिशोर सुरजन, सांस्कृतिक प्रभारी श्री हरीश गांधी, श्रीमतीरूपाली गांधी, एकेडमिक प्रभारी श्री अमित उत्तलवार, प्राचार्य श्रीमती शैलजा नायर,उप प्राचार्य श्रीमती रश्मि ठाकुर, प्रशासक अनिल वाजपेयी, स्कूल मैनेजर तरणजीत सिंहटूटेजा एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा शुभकामनाएं दी गई।

ग्राम करमतरा मे रैली निकालकर वाहनों मे कर रहे स्टंट बाजो पर सख्त चालानी कार्यवाही

खैरागढ़ (नांदगांव टाईम्स)। 24जुलाई.2025 को जिला के सी जी के ग्राम करमतरा मे हरेली त्यौहार के दिन गांव के युवाओं द्वारा जे सी बी, माजदा, ट्रेक्टर मे रैली निकालकर जे सी बी मे स्टंट करते हुए वीडियो वायरल हुआ था जिसे तस्दीक किया गया, तस्दीक करने के बाद यातायात पुलिस खैरागढ़ को जे सी बी चालक मनीष साहू सहित अन्य वाहन चालकों द्वारा एमवी एक्ट के विभिन्न धाराओ का उल्लंघन करते पाए जाने पर उक्त वाहन चालको के विरुद्ध खतरनाक तरीके से वाहन चलाने, तथा अन्य माजदा, ट्रेक्टर वाहन चालकों सहित कुल अलग अलग प्रकरण मे कुल 8000/- रूपये सहित वाहन चालकों का नियत धाराओं मे कार्यवाही कर लाइसेंस निलंबन की अधिकाधिक कार्यवाही हेतु संबंधित परिवहन विभाग को भेजा जा रहा है,यातायात खैरागढ़ द्वारा वर्ष -2025 मे 01जनवरी से 24 जुलाई तक मालवाहक मे यात्री परिवहन करते पाए जाने पर प्रकरण तैयार कर भेजनें पर 76 मे 32 प्रकरण, वाहन चलाते मोबाइल पर बात करने पर -30 मे 22.एवं शराब पीकर वाहन चलाने पर 23 मे 10 प्रकरण संबंधित परिवहन कार्यालय लाइसेंस निलंबन हेतु प्रतिवेदन भेज कर निलंबित कराया गया. यह कार्यवाही निरंतर जारी है,इसी तरह दुर्घटनाओ मे घायलों को गोल्ड़न आवर मे घायलों की मदद, वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने मालवाहक मे यात्री परिवहन न करने,समस्त वाहनों मे दिनांक -01.04.2019 के पूर्व के वाहनों मे ॥स्क्रक्क नंबर प्लेट अनिवार्य रूप से लगाने तथा किसी भी प्रकार के सार्वजनिक आयोजन रैली इत्यादि में आयोजन की सूचना संबंधित थाना चौकी एवं तहसील कार्यालय में दिया जाने हेतु समझाइस देकर जागरूक किया जा रहा है।

धर्म समाचार....

रावण ने रचा था शिव तांडव स्तोत्र:शक्ति के अहंकार में रावण कैलाश पर्वत उठाने लगा, तभी पर्वत के नीचे दब गया था उसका हाथ

अभी सावन महीना चल रहा है, इस महीने में भगवान शिव की विशेष पूजा करने की परंपरा है। शिव पूजा में मंत्र जप के साथ ही शिव तांडव स्तोत्र का पाठ भी किया जाता है। शिव जी को प्रिय शिव तांडव स्तोत्र की रचना रावण ने की थी। रावण ने क्यों रचा शिव तांडव स्तोत्र, जानिए पूरी कथा...

रावण को अपनी शक्ति का अहंकार था। इसी अहंकार की वजह से वह सभी को कमजोर समझता था। अपनी शक्ति के अहंकार में एक दिन रावण कैलाश पर्वत पहुंच गया। उस समय शिव जी ध्यान में लीन थे। रावण ने शिव जी को कैलाश पर्वत सहित उठाकर अपने साथ लंका ले जाना चाहता था। रावण कैलाश पर्वत को उठाने लगा, तभी शिव जी ने अपने पैर के अंगूठे से पर्वत का भार बढ़ा दिया। पर्वत का भार बढ़ने से रावण कैलाश को उठा नहीं सका और उसका हाथ पर्वत के नीचे दब गया।

पर्वत के नीचे दबे हाथ को निकालने की रावण ने बहुत कोशिश की, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली। तब रावण ने शिव जी को प्रसन्न करने के लिए शिव तांडव स्तोत्र की रचना की। शिव जी रावण द्वारा रचे गए शिव तांडव स्तोत्र को सुनकर प्रसन्न हो गए और कैलाश पर्वत का भार कम कर दिया, इसके बाद रावण ने पर्वत के नीचे से हाथ निकाल लिया।

प्रसंग की सीख

अहंकार का त्याग करें - अहंकार के कारण ही रावण कैलाश पर्वत उठाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली और उसका हाथ पर्वत के नीचे दब गया। जब रावण ने अहंकार छोड़कर शिव जी की भक्ति की, तब उसे शिव कृपा मिली। जब हम अहंकार छोड़कर विनम्रता की ओर बढ़ते हैं, तब ही भगवान की कृपा मिलती है।

मुश्किल समय में भी भक्ति न छोड़ें - जब रावण का हाथ पर्वत के नीचे दबा, तब उसने शिव जी को प्रसन्न करने के लिए भक्ति की। शिव तांडव स्तोत्र रचा। इसके फलस्वरूप उसे शिव कृपा मिल गई और उसका दुख दूर हो गया। हमें भी मुश्किल समय में भगवान की भक्ति नहीं छोड़नी चाहिए।

शिव तांडव स्तोत्र की खास बातें

ये स्तोत्र संस्कृत में है, इसकी लयात्मकता इसे बहुत खास बनाती है। इसमें भगवान शिव के रौद्र रूप, तांडव नृत्य और संपूर्ण ब्रह्मांडीय शक्ति का वर्णन किया है। रावण ने इसमें 17 श्लोकों के माध्यम से शिव की महिमा का गान किया है। शिव तांडव स्तोत्र के नियमित पाठ से वाणी सिद्धि, धन-समृद्धि, और आत्मबल की प्राप्ति होती है। रोज सूर्योदय से ठीक पहरे ब्रह्ममुहूर्त में या शाम को प्रदोष काल में इसका पाठ करना श्रेष्ठ माना जाता है। शिवलिंग के पास दीप जलाएं और फिर इस स्तोत्र का पाठ करें।

हथेली के सूर्य पर्वत पर बना है त्रिकोण, गुप्त विद्याओं के साथ मिलेगा मान-सम्मान

हस्त रेखा शास्त्र में त्रिभुज का चिह्न शुभ माना जाता है। सूर्य पर्वत पर त्रिकोण का निशान व्यक्ति को प्रसिद्धि सम्मान और सफलता दिलाता है। यह करियर और सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतिनिधित्व करता है। बड़े त्रिभुज बड़ी सफलता और छोटे त्रिभुज छोटी सफलता का संकेत देते हैं। आइए जानते हैं इस निशान के होने का मतलब। हस्त रेखा शास्त्र में त्रिभुज का चिह्न किसी भी जगह पर होना शुभ माना जाता है। जिस भी पर्वत पर त्रिभुज बना होता है, उस ग्रह से संबंधित गुणों में इजाफा करता है। यह जीवन की अशुभ स्थितियों में भी व्यक्ति को बचाने का संकेत देता है। सूर्य पर्वत पर त्रिकोण का निशान शुभ माना जाता है। हथेली में अनामिका उंगली के नीचे का भाग सूर्य पर्वत कहलाता है। यदि सूर्य रेखा भी इस त्रिकोण को छूती है या उसके पास से गुजरती है, तो यह व्यक्ति के जीवन में भाग्य और सफलता का और भी मजबूत संकेत है। सूर्य पर्वत पर बना त्रिभुज का चिह्न बताता है कि व्यक्ति को जीवन में प्रसिद्धि, सम्मान और सफलता मिलेगी। व्यक्ति के करियर, प्रसिद्धि और सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतिनिधित्व करता है। नेतृत्व करते हुए ये अपने साथ जुड़े लोगों को भी बढ़ाते हैं आगे।

त्रिकोण का शुभ प्रभाव - सूर्य पर्वत पर त्रिकोण का निशान व्यक्ति को उसके क्षेत्र में विशेष पहचान दिलाता है। यह निशान व्यक्ति के जीवन में सफलता और उच्च पद प्राप्त करने की संभावनाओं को भी दिखाता है। ऐसे लोगों की कला, संगीत और लेखन जैसे रचनात्मक क्षेत्रों में न सिर्फरुचि होती है, बल्कि इन क्षेत्रों में वो सफलता भी पाते हैं। ऐसे लोग व्यापार में भी सफलता पाते हैं।

त्रिभुज का आकार भी महत्वपूर्ण - यदि त्रिभुज का आकार बड़ा है, तो निश्चित रूप से व्यक्ति को जीवन में बड़ी सफलता और प्रसिद्धि मिलने की संभावना होती है। यदि त्रिभुज का आकार छोटा है, तो भी उसे सफलता मिलेंगी, लेकिन ये बहुत बड़ी नहीं होंगी। यदि सूर्य पर्वत यह निशान बुध पर्वत की ओर झुका हुआ हो, तो ऐसे लोगों की रुचि लेखन, कला, गुप्त विद्या में होती है।

- क्रिकेट किट
- फुटबाल
- हॉकी किट
- योगा मेट

स्वाती स्पोर्ट्स

खिलाड़ियों एवं विद्यार्थियों के लिए विशेष छूट...

क्रिकेट, हॉकी, कबड्डी, वॉलीबॉल, खो- खो, बैडमिंटन, बास्केट बॉल, थ्रो बॉल, शॉफ्ट बॉल, हाई जम्प, बॉक्सिंग रिंग, टेनिस बॉल, स्पोर्ट्स बॉल, रैकेट बैग, स्पोर्ट्स बॉटल, स्पोर्ट्स बैग, बैडमिंटन नेट, स्कोरल टेबल, बोर्ड गेम्स, टी- टी टेबल,टी-टी बॉल, टेबल टेनिस बेट, टी-टी बेट, ट्रेक शूट, जिम सामग्री, स्पोर्ट्स शूज, स्कूल बेग सहित सभी खेल सामग्री उपलब्ध...

स्टेडियम परिसर, कलेक्टोरेट के सामने राजनांदगांव, मो. 99819-65770, 88393-71971

जीवन कालोनी के पीछे शासकीय नाले की जमीन पर नाली निर्माण को निगम की टीम ने तोड़ा

राजनांदगांव (नांदगांव टाईम्स)। नगर निगम द्वारा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण की जानकारी होने पर उसे तोडने की कार्यवाही की जा रही है। साथ ही निगम सीमांतर्गत अवैध कालोनी एवं अवैध प्लाटिंग की जॉच कर उसे ध्वस्त करने तथा अवैध कालोनी भूमि विक्रय पर बाहय विकास शुल्क जमा करने नोटिस जारी किया जा रहा है। जीवन कालोनी के पीछे शासकीय नाले की जमीन पर नाली निर्माण की जानकारी होते ही निगम की टीम ने आज नाली को जेसीबी से उखाड़ने की कार्यवाही की।

कार्यवाही के संबंध में निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा ने बताया कि शहर को व्यवस्थित एवं सुगम यातायात के लिए अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जा रही है, साथ ही निगम सीमांतर्गत अवैध प्लांटिंग की जॉच कर उसे उखाडने के अलावा अवैध कालोनी भूमि विक्रय पर बाहय विकास शुल्क जमा करने नोटिस जारी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जीवन कालोनी के पीछे खसरा नं. 279/2 के पास की नाले की शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर नाली निर्माण किया जा रहा था, जिसे निगम की टीम ने जे.सी.बी. के माध्यम से उखाडने की कार्यवाही की। उन्होनें बताया कि उक्त खसरा भूमि को पूर्व में निगम द्वारा प्रतिबंधिता भी किया गया है। उन्होने तकनीकी अधिकारियों से कहा कि, नगर निगम सीमाक्षेत्र में अवैध कॉलोनी एवं अवैध प्लाटिंग की जॉचकर नोटिस जारी करें और यदि संबंधित के द्वारा अवैध प्लाटिंग कार्य बंद नही किया जाता है, तो उनके विरूद्ध निगम प्रावधानों के तहत् कडी से कडी कार्यवाही करें तथा अतिक्रमण की जानकारी होने पर अतिक्रमण भी हटावे।

सावन के अवसर पर दिव्यांगजन अस्पताल परिसर में हुआ वृक्षारोपण

नागरिक सुरक्षा सेवा फाउंडेशन की पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल

राजनांदगांव (नांदगांव टाईम्स)। सावन माह के शुभ अवसर पर नागरिक सुरक्षा सेवा फाउंडेशन, राजनांदगांव द्वारा दिव्यांगजन पुनर्वास केंद्र (सीआरसी) हॉस्पिटल परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण व हरियाली को बढ़ावा देने की दिशा में संस्था का एक सकारात्मक प्रयास रहा।कार्यक्रम में नागरिक सुरक्षा सेवा फाउंडेशन के पदाधिकारियों व सदस्यों ने पौधारोपण कर पर्यावरण के प्रति अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता को व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से संस्था की महिला प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. गुरप्रीत कौर छाबड़ा, दिव्यांगजन हॉस्पिटल के एडमिन नितिन देवांगन, जिला अध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव, महिला विंग की जिला अध्यक्ष मधुबाला श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष डॉ. तरुण रामटेके, जिला उपाध्यक्ष रेणुका साहू, जिला महासचिव रितु रायजादा, जिला सचिव विनोदिनी मारकंडे, सचिव अभिषेक श्रीवास्तव, मीडिया प्रभारी अंकित बालाजी और जिला विधिक सलाहकार कुसुम दुबे उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संस्कार सिटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, ठाकुरटोला के प्रशिक्षणार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण की शपथ के साथ किया गया। नागरिक सुरक्षा सेवा फाउंडेशन द्वारा उठाया गया यह कदम न केवल हरियाली को बढ़ावा देने वाला प्रयास रहा, बल्कि यह समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने का एक प्रेरणास्पद संदेश भी बन गया।

भारत के खुदरा व्यापार और शहरी व्यवस्था की रक्षा की दिशा में ऐतिहासिक कदम

राजनांदगांव। Cait के महासचिव एवं सांसद श्री प्रवीण खंडेलवाल जी ने संसद में च्डार्क स्टोर उन्मूलन एवं ज़ोनिंग प्रवर्तन विधेयक, 2025ज्ज् पेश किया है एक ऐतिहासिक पहल जो छोटे व्यापारियों, उपभोक्ताओं और शहरी कानून व्यवस्था की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह महत्त्वपूर्ण विधेयक निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करता है: आवासीय एवं मिश्रित उपयोग क्षेत्रों में अवैध च्डार्क स्टोर्सज्ज् पर पूर्ण प्रतिबंध, उपभोक्ताओं को खराब, एक्सपायरी और निम्न-गुणवत्ता वाले सामानों से सुरक्षा, शहरी नियोजन में पारदर्शिता और ज़ोनिंग कानूनों का कड़ाई से पालन, विदेशी पूंजी वाले ई-कॉमर्स कंपनियों की पिछला दरवाज़ा खोलकर खुदरा में घुसपैठ पर रोक, गिग वर्कर्स के शोषण को रोकना, देशभर के किराना स्टोर्स और छोटे व्यापारियों के रोज़गार की रक्षा यह केवल विदेशी निवेश नियमों के उल्लंघन की बात नहीं है यह न्याय, ईमानदार व्यापार और भारत की आर्थिक आत्मनिर्भरता की लड़ाई है। ष्ट्रद्बञ्ज, न्यायसंगत डिजिटल कॉमर्स, व्यापारी सशक्तिकरण और उपभोक्ता विश्वास के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ खड़ा है।

युवा शक्ति सेवा संगठन के युवाओं द्वारा जन सहयोग से बृहद में वृक्षारोपण 24 को

राजनांदगांव (नांदगांव टाईम्स)। ग्राम पेंड्री छत्तीसगढ़ में आज दिनांक 24 जुलाई हरियाली पर्व के पावन अवसर पर युवा शक्ति सेवा संगठन के युवाओं द्वारा जन सहयोग से बृहद में वृक्षारोपण किया इसमें एक-एक व्यक्ति द्वारा एक-एक पौधा और उनके सुरक्षा के लिए ट्रिगर्ड और यह पौधे और ट्री गार्ड उसे व्यक्ति द्वारा स्वयं लगाया गया और इसकी सुरक्षा का पूरा जिला युवा शक्ति सेवा संगठन ने लिया जिसमें जन समुदाय से विशेष रूप से इस वृक्षारोपण के लिए सहयोग मिला साथ ही साथ इस कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य श्री महेंद्र यादव जी ग्राम के सरपंच श्री भोजराम ठाकुर पंचगण सतगुरु कबीर आश्रम पेंड्री के महंत श्री सेवादास साहेब जी युवा शक्ति सेवा संगठन के अध्यक्ष दुर्गेश साहू जी हीरेन्द्र साहू रुद्र शुक्ला सहित पूरा युवा टीम ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

मरी मुर्गियों के अवशेष फेंकने से हो सकता है डिंगोरा जलाशय का पानी प्रदूषित

डोंगरगढ़(नांदगांव टाईम्स)। डोंगरगढ़ के डिंगोरा जलाशय के आसपास जंगल में घोर लापरवाही करने का मामला प्रकाश में आया है। बताया जाता है कि हजारों की संख्या में मरी हुई मुर्गियों को प्लास्टिक की बोरियों में भरकर जंगल में फेंकी गई हैं। ये बोरियां देश की सबसे बड़ी पोल्ट्री कंपनी-क्कस् के नाम से चिन्हित हैं, जो इलाके में महामारी का खतरा मंडराने का संकेत दे रही हैं। सूत्रों के अनुसार यह मामला उपवन मंडल डोंगरगढ़ सामान्य परिक्षेत्र के रानीगंज सर्किल अंतर्गत क्षेत्र में सामने आया। जहां पर 40 से 50 प्लास्टिक बोरियों में मृत मुर्गियों के सड़े-गले अवशेष पाए गए। चौकी स्टाफने जब बोरियों को खोला, तो भीतर सड़ी-गली हालत में मरी हुई मुर्गियां मिलीं, जिनसे उठ रही दुर्गंध ने पूरे ग्रामीण और जंगली क्षेत्र को प्रभावित कर दिया है। वही बोरे को केवल जंगल में ही नहीं बल्कि जलाशय में विलीन नालियों में भी फेंके गए जिससे यह प्रदूषित जल सिंचाई विभाग के डिंगोरा जलाशय तक पहुंच रहा है। डिंगोरा जलाशय क्षेत्रीय सिंचाई के लिए प्रमुख स्त्रोत है, जिससे जल प्रदूषित होने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता है। मरी मुर्गिया जंगल में फेंके जाने की खबर मिलते ही फॉरेस्ट विभाग ने आनन-फानन में जेसीबी बुलाकर कुछ बोरियों को गड्ढा खोदकर दफ्न किया गया परंतु ग्रामीणों की माने तो अब भी कई स्थानों पर बोरियां सड़ रही हैं वही बताया जाता है मरी हुई मुर्गिया फेंके 05 दिन बीत गए हैं, लेकिन ना तो किसी जिम्मेदार अधिकारी ने स्थिति स्पष्ट की है और ना ही अवशेषों का पूरी तरह से निपटारा किया गया। चौंकाने वाली बात यह है कि इन मुर्गियों की मौत का कारण, इनकी उत्पत्ति का स्थान, और इनका निपटारा इस तरह खुले जंगल में क्यों किया गया इन सब सवालों पर जिम्मेदार चुप्पी साधे हुए हैं। वही ग्रामीणों में चर्चा थी कि हर बोरी पर-क्कस् पोल्ट्री कंपनी की मुहर साफ नजर आ रही थी।

जिले में पर्याप्त मात्रा में खाद-बीज का भंडारण

जिले में 36410.6 मीट्रिक टन रासायनिक खाद का भंडारण, किसानों को 32799.1 मीट्रिक टन रासायनिक खाद का वितरण

राजनांदगांव (नांदगांव टाईम्स)। जिले के मेहनतकश कृषक खेती-किसानी के कार्यों में जुटे हुए हैं। जिले में बोनी एवं रोपाई का कार्य जारी है। किसान सहकारी समितियों में खाद-बीज लेने के लिए आ रहे हैं। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने किसानों के लिए खाद-बीज की सतत आपूर्ति के निर्देश दिए है। जिले में किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद-बीज का भंडारण है। कलेक्टर ने किसानों को समय पर खाद-बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए है। उन्होंने अधिकारियों को निरंतर मॉनिटरिंग करने निर्देश दिए है, ताकि सभी समितियों में खाद-बीज की निरंतर आपूर्ति होते रहे।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित राजनांदगांव श्री प्रभात मिश्रा ने बताया कि जिले में खरीफ 2025 अंतर्गत 36410.6 मीट्रिक टन रासायनिक खाद का भंडारण किया गया है, जो कुल भंडारण का 70.66 प्रतिशत है। अब तक किसानों को 32799.1 मीट्रिक टन रासायनिक खाद का वितरण किया जा चुका है। जिसमें यूरिया 10927.6 मीट्रिक टन, सुपर फास्फेट 5762.9 मीट्रिक टन, डीएपी 3986.8 मीट्रिक टन, एनपीके 9196.9 पोटाश 2925.1 मीट्रिक टन है। किसानों को 3611.5 मीट्रिक टन रासायनिक खाद का वितरण किया जाना शेष है। जिसमें यूरिया 666.6 मीट्रिक टन, सुपर फास्फेट 1186.2 मीट्रिक टन, डीएपी 509.3 मीट्रिक टन, एनपीके 460.3 मीट्रिक टन, पोटाश 789.1 मीट्रिक टन है। इसी तरह जिले में 10775.58 क्विंटल बीज का भंडारण किया गया है और किसानों को 10239.26 क्विंटल बीज का वितरण किया गया है एवं 536.32 क्विंटल बीज का वितरण शेष है। इसके तहत जिले में 10751.90 क्विंटल धान का भंडारण किया गया है और किसानों को 10223.60 क्विंटल धान का वितरण किया गया है एवं 528.30 क्विंटल धान का वितरण शेष है।

सिंघोला में हरेली तिहार के अवसर पर वृक्षारोपण के साथ सद्भावना क्रिकेट मैच खेला गया

राजनांदगांव (नांदगांव टाईम्स)। ग्राम सिंघोला में सिंघोला प्रीमियर लीग और गांव के लोगों के सहयोग से पिछले वर्ष एक पेड़ माताङ्कपिता के नाम पर 29 ट्री गार्ड के साथ वृक्षारोपण किए थे जिसमें से 26 पौधों को बचा लिया गया। इस वर्ष भी समिति के द्वारा 28 ट्री गार्ड के साथ वृक्षारोपण किया गया है जिसका लक्ष्य 100त्न पौधों को बचाना है । ग्राम पंचायत सिंघोला के सरपंच ने कहा कि भले हम कम पौधे लगाएंगे लेकिन हम उन पौधों को बचाने में अपनी पूरी ताकत लगा देंगे ।उन्होंने कहा मैं भी एक खिलाड़ी हूं,खिलाड़ियों को खेल से संबंधित जो मूलभूत सुविधा मिलनी चाहिए उसके लिए मै सदैव अग्रसर रहूंगा ।समिति के संस्थापक सदस्यों में से एक सदस्य रूपेंद्र साहू जी ने बताया कि छनेंद्र कुमार साहू(शिक्षक) ने गांव के युवाओं को पर्यावरण और गांव के प्रति समर्पण की भावना को जगाने के लिए आज से 18 वर्ष पहले गांव को 6 भागों में बाट कर 6 टीम तैयार करने की योजना बनाई थी जिसे साकार रूप देने के लिए उस समय के वरिष्ठ खिलाड़ी चंद्रेश साहू,राजू यादव,राकेश साहू(राजू),मुकेश साहू मूलचंद यादव,फूलचंद यादव,जीवन यादव,महेश साहू,हीरा सिंह यादव,पवन साहू,रूपेंद्र साहू ,गिरधर, कन्हैया यादव ,किशन यादव,शोभित , खोरबाहरा, चित्र कुमार, टक्कू पिस्दा,सोमू धनकर ,नेमीचंद ट ंडन, ख ु मान, प ्र क ा श साहू,बेनूराम,गिरधारी,रमेश धनकर,हरीश चंद्राकर,रोहित भारद्वाज,दुर्गेश साहू ,संतोष साहू भागीरथी साहू ,जितेंद्र, डुमेशर, डेविड साहू, टूम्मन ठाकुर, शेखर,प्रकाश, यूसुफ मोहित देवदास, दीपक राजपूत और बहुत से खिलाड़ियों ने उनका साथ दिया । तब से उन 6 टीमों के बीच प्रति वर्ष हरेली तिहार के दिन आपस में सद्भावना मैच खेला जाता है जो आज तक चली आ रही है। ये युवा किसी न किसी माध्यम से पर्यावरण को बचाने और लोगों की समस्याओं को हल करने हर संभव मदद करते आ रहे है ।इस समिति और गांव के युवाओं ने इस आयोजन को प्रतिवर्ष कराने का संकल्प लिए है ।इस वर्ष ट्री गार्ड के लिए सहयोग करने में योगेश साहू, सुबोध पिस्दा,चंद्रकांत साहू,विवेक पवार,छनेंद्र कुमार साहू,टीकम साहू,महेश साहू,धनंजय केसरिया,पीयूष साहू, निलेश साहू,रूपेंद्र साहू,गिरधारी धनकर,दुलीचंद सोनी,देवेंद्र साहू,हरीश चंद्राकर,मोहित देवदास, भीषम साहू,जितेंद्र साहू(लालू), मोहित साहू(रुद्धष्ट), कामेश साहू,चितरंजन साहू,चंद्रकांत साहू(पप्पू),राकेश साहू(राजू), डॉ कुबेर साहू, दीपक साहू(स्त्रछ्व), तनुज साहू,प्रवीण साहू,बल्लू साहू का योगदान रहा।

सुनहरा अवसर

पढ़ने- पढ़ाने वाले विद्यार्थी सह- शिक्षक सपने साकार करने के लिए रूपये 9 हजार प्रतिमाह से शुरू कर 45 हजार प्रतिमाह की गारंटी देता है

योग्यता : 12वीं पास, फेल से पीएचडी तक सभी आवेदन कर सकते हैं

-: संपर्क करें :-

इंजीनियर पी एल सुलाखे

राजनांदगांव, मो. 9425554092

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक अशोक कुमार पाण्डे द्वारा आसमा पब्लिसर्श इंडिया (प्रा.) लिमिटेड रायपुर से मुद्रित व गंजचौक राजनांदगांव से प्रकाशित, सम्पादक- अशोक कुमार पाण्डे, मोः 94252-43311 Email: nandgaontimes@gmail.com